दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर|| वर्ष : 03 अंक:44 | ग्वालियर गुरुवार, 13 फरवरी 2020 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रु.

केजरीवाल का राजतिलक 16 को

नई दिल्ली एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) की जीत के बाद आज सुबह केजरीवाल के आवास पर सभी विधायकों की बैठक हुई, जिसमें उन्हें आप के विधायक दल का नेता चुना गया है। अब 16 फरवरी को रामलीला मैदान में अरविंद केजरीवाल शपथ ग्रहण करेंगे। इस बार वह लगातार तीसरी बार दिल्ली में सरकार बनाने जा रहे हैं। वहीं मंत्रीमंडल में मनीष सिसोदिया, आतिशी, राघव चड्ढा जैसे नामों को शामिल करने की चर्चा चल रही है। आम आदमी पार्टी की बैठक में अरविंद केजरीवाल को विधायक दल का नेता चुना गया है। मनीष सिसोदिया ने यह प्रस्ताव रखा था, जिसे बैठक में मौजूद सभी विधायकों ने स्वीकार किया। अब कुछ देर में प्रेस कांफ्रेंस कर सिसोदिया मीडिया से बातचीत करेंगे। आम आदमी पार्टी के विधायक दल की बैठक शुरू हो गई है। बैठक में मनीष सिसोदिया और संजय सिंह समेत सभी आप

विधायक मौजूद हैं।

उपराज्यपाल से मिले केजरीवाल: उपराज्यपाल अनिल बैजल से मुलाकाल करने के बाद अरविंद केजरीवाल अपने आवास वापस लौटे। यहां वो कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक करेंगे। बैठक में हिस्सा लेने के लिए केजरीवाल के आवास पर पहले से ही **आप** के सभी विजेता विधायक पहुंचे हुए हैं। कांग्रेस नेता पीसी चाको ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का पतन साल 2013 में शुरू हुआ जब शीला जी मुख्यमंत्री थीं। आम आदमी पार्टी के उदय ने कांग्रेस के पूरे वोट बैंक को छीन लिया। हम इसे कभी वापस नहीं पा सके। यह वोट बैंक अब भी आप के पास है। दिल्ली में 62 सीटों के साथ प्रचंड जीत के बाद अरविंद केजरीवाल तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं। इसके लिए 16 फरवरी को रामलीला मैदान में केजरीवाल मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। दिल्ली चुनाव में जीत के बाद कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने फोन पर अरविंद केजरीवाल को जीत की बधाई दी है। भाजपा के महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने अरविंद केजरीवाल को जीत की बधाई देते हुए एक बार फिर हनुमान जी को बीच में लाए हैं। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, अरविंद केजरीवाल जी को जीत की बधाई!

असम एनआरसी की अंतिम सूची गायब

गृह मंत्रालय का दावा, डाटा पूरी तरह सुरक्षित

नई दिल्ली एजेंसी। केंद्र सरकार ने बुधवार को स्पष्ट किया है कि असम एनआरसी का डाटा पूरी तरह सुरक्षित है। गृह मंत्रालय ने कहा, कुछ तकनीकी मुद्दे सामने आए हैं जिन्हें जल्द हल कर लिया जाएगा। एनआरसी की अंतिम सूची का डाटा उसकी आधिकारिक वेबसाइट से ऑफलाइन होने की खबरों के बाद गृह मंत्रालय ने यह स्पष्टीकरण दिया है। गृह मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, एनआरसी डाटा सुरक्षित है। डाटा कुछ दिनों से ऑनलाइन उपलब्ध नहीं था। इससे जनता, खासतौर से उन लोगों में भय व्याप्त हो गया जिन्हें सूची से बाहर रखा गया है, क्योंकि उन्हें सूची से बाहर किए जाने का प्रमाणपत्र जारी नहीं

किया गया है। एनआरसी के राज्य संयोजक हितेश देव शर्मा ने डाटा ऑफलाइन होने के पीछे किसी तरह की दुर्भावना के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने बताया कि डाटा के लिए क्लाउड सेवा आईटी कंपनी विप्रो ने मुहैया कराई थी। उनका अनुबंध पिछले साल 19 अक्तूबर तक का था। पूर्व संयोजक ने इस अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया। इसलिए विप्रो द्वारा सेवा निलंबित किए जाने के कारण 15 दिसंबर से डाटा ऑफलाइन हो गया था।

कश्मीरः 25 विदेशी राजनयिकों का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा घाटी

श्रीनगर एजेंसी । अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद विदेशी राजनयिकों का प्रतिनिधिमंडल घाटी में जमीनी हालात का जायजा लेने बुधवार को श्रीनगर पहुंचा। इसमें विभिन्न देशों के 25 राजनयिक हैं। यह दल बुधवार सुबह 11 बजे श्रीनगर पहुंचा। यहां से दल में शामिल सदस्य बारामुला जाएंगे। वहां से लौटकर श्रीनगर में सिविल सोसाइटी, कारोबारियों समेत विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात और बातचीत कर पांच अगस्त के बाद उत्पन्न स्थिति की जानकारी हासिल करेंगे। दल में यूरोपीय संघ और खाड़ी देशों के राजनयिक शामिल हैं। भारत में अमेरिका के राजदूत कीनेथ आई जस्टर समेत 15 राजनयिकों के एक दल ने 9-10 जनवरी को जम्मू व श्रीनगर का दो दिवसीय दौरा किया था।

जनवरी में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 7.59 फीसदी पर पहुंची

बिजनेस डेस्क। खाने-पीने का सामान महंगा होने से जनवरी में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 7.59 प्रतिशत पर पहुंच गयी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर 2019 में 7.35 प्रतिशत रही थी। वहीं पिछले साल जनवरी महीने में यह 1.97 प्रतिशत रही थी। खुदरा मुद्रास्फीति में यदि खाद्य मुद्रास्फीति की बात की जाये तो जनवरी 2020 में यह 13.63 प्रतिशत रही जबकि एक साल पहले जनवरी 2019 में इसमें 2.24 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि, यह दिसंबर 2019 के 14.19 प्रतिशत के मुकाबले कम हुई है। वहीं, उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक में गिरावट दर्ज की गई है।

इंसाफ मांगने कोर्ट के बाहर धरने पर बैठीं निर्भया की मां

नई दिल्ली एजेंसी। निर्भया के दोषियों को फांसी की नई तारीख आज फिर जारी नहीं हुई। अदालत ने इस केस की सुनवाई गुरुवार तक के लिए टाल दी। इस दौरान कोर्ट में मौजूद हुई निर्भया की मां वहीं रो पड़ीं और जज से दोषियों के नाम डेथ वारंट जारी करने की अपील की। उन्होंने अदालत से पूछा कि मेरे अधिकारों का क्या

होगा? मैं हाथ जोड़कर आपके सामने खड़ी हूं। प्लीज डेथ वारंट जारी कर दीजिए। मैं भी इंसान हूं। सात साल से भी ज्यादा का समय हो चुका है और ये कहते-कहते ही वह अदालत के अंदर रो पड़ीं। सुनवाई टल जाने के बाद नाराज मां अदालत के बाहर प्रदर्शन कर रही हैं और हमें न्याय चाहिए के नारे लगा रही हैं।

चीन से दोस्ती निभाना पाक को पड़ा महंगा! पाक अदालत ने पूछा- नागरिक पहले या दोस्ती?

इस्लामाबाद। जानलेवा कोरोना वायरस के आतंक के बीच फंसे पाकिस्तानियों को सुरक्षित स्वदेश वापस नहीं लाने के पाकिस्तान सरकार के फैसले पर हर तरफ से सवालिया निशान उठे हैं. अब इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने भी सरकार से कहा है कि वह चीन से पाकिस्तानियों को वापस नहीं लाने के फैसले पर पुनर्विचार करे. इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अतहर मिनल्ला ने कोरोना वायरस मामले में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर दायर याचिका पर सुनवाई की. विदेश मंत्रालय की तरफ से इस मामले में रिपोर्ट अदालत को दी गई.

न्यायाधीश अतहर मिनल्ला ने कहा कि

बांग्लादेश व तमाम अन्य देश अपने नागरिकों को चीन से वापस ला रहे हैं लेकिन पाकिस्तानी स्टूडेंट वुहान में कैद होकर रह गए हैं . बांग्लादेश अपने नागरिकों को वहां से निकाल सकता है तो पाकिस्तान क्यों नहीं . सवाल है कि केवल हम ही अपने नागरिकों को वहां से क्यों नहीं निकाल रहे हैं.अदालत की इस टिप्पणी पर सरकार की तरफ से कहा गया कि दुनिया के 194 देशों में से केवल 23 ने ही अपने नागरिकों को चीन से वापस बुलाया है. इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि %अगर 23 देश निकाल सकते हैं तो पाकिस्तान क्यों नहीं. 23 देश अपने नागरिकों की सुरक्षा का इंतजाम कर सकते हैं तो हम क्यों नहीं. आस्ट्रेलिया, चीन से लाए गए अपने लोगों को एहतियातन किसी टापू पर रख रहा है. आप ग्वादर (समुद्र तटीय इलाका) में रख लीजिए. इस पर विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि ने अदालत से कहा कि वुहान को चीन ने पूरी तरह से बंद रखा हुआ है. वहां एक हजार पाकिस्तानी हैं. चीन ने विश्वास दिलाया है कि वहां पाकिस्तानियों का पूरा ख्याल रखा जाएगा . उन्होंने कहा कि चीन से पाकिस्तानियों के आने पर रोक नहीं है, केवल वुहान से कोई नहीं आ सकता. भारत ने वहां से कुछ लोग निकाले हैं लेकिन अभी भी उसके 80 फीसदी लोग फंसे हुए हैं.

पाकिस्तान में लगातार गिर रहा शिक्षा का स्तर, 5वीं कक्षा के छात्र नही पढ़ पाए ये भाषा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के ग्रामीण इलाकों में पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाले करीब 45 फीसदी बच्चे कक्षा दूसरी के छात्रों की अंग्रेजी नहीं पढ़ सकते हैं. एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है. डॉन न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, एनुअल स्टेट्स ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (एएसईआर)को शिक्षा मंत्री शफकत महमूद और योजना मंत्रालय के उप चेयरमैन मोहम्मद जेहानजेब खान ने जारी किया.

साल 2019 की अपनी रिपोर्ट में एएसईआर ने आगे कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पांचवीं कक्षा के केवल 59 फीसदी छात्र उर्दू (हस्तह) और सिंधी और पश्तो सहित अन्य स्थानीय भाषाओं में कहानियां पढ़ सकते हैं, जो दूसरी कक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल हैं. इसके अलावा सिर्फ पांचवीं कक्षा के 57 फीसदी छात्र, कक्षा दो के छात्रों के दो अंकों की भाग के सवाल को हल कर सकते हैं.रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि पांचवीं कक्षा के 60 फीसदी छात्र समय ठीक से बता सकते हैं और जोड़ के सवाल हल कर सकते हैं. सिर्फ 53 फीसदी छात्र गुणा के सवाल हल कर सकते हैं. डॉन न्यूज ने रिपोर्ट के हवाले से कहा है कि निजी क्षेत्र के स्कूलों के छात्र बेहतर नतीजे दे रहे हैं. इसमें छात्र, छात्राओं को पीछे छोड़ रहे हैं.

पाकिस्तानः आतंकी हाफिज सईद को साढ़े 10 साल की जेल, टेरर फंडिंग केस में दोषी करार

इस्लामाबाद। लाहौर की आतंकवाद-रोधी अदालत ने पाकिस्तान के कुख्यात आतंकी हाफिज सईद को 10 साल 6 महीने के लिए जेल की सजा सुनाई है. साथ ही उस पर 15,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया है. आतंकी संगठन के मुखिया हाफिज को टेरर फंडिंग के दो मामलों में दोषी करार दिया गया है. एक मामले में सवा 5 साल की कैद की सजा दी गई है. सईद प्रतिबंधित जमात-उद-दावा का

नेता है.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सईद पर आतंक वित्तपोषण, धनशोधन, अवैध रूप पसे जमीन हड़पने समेत 29 मामलों में मामला चल रहा है. बीते 6 फरवरी को उनके खिलाफ दो मामलों में फैसला सुरक्षित रख लिया गया था.

जमात-उद-दावा लीडरशीप को आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन से संबंधित दो दर्जन से अधिक मामलों का सामना करना पड़ रहा है, जो पांच शहरों में दर्ज हैं. सुरक्षा चिंताओं के कारण लाहौर आतंकवाद-रोधी अदालतों के समक्ष सभी मामले दर्ज किए गए हैं.

आजमगढ़ में मुस्लिम महिलाओं से मुलाकात करतीं प्रियंका गांधी।

दोस्त ट्रंप के स्वागत की तैयारी में जुटे पीएम मोदी, ट्वीट कर कही ये बात

नई दिल्ली। भारत दौरे के लिए आ रहे अमेरिका (के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के स्वागत को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही एक ट्वीट किया. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने ऑफिशियल ट्वीटर हैंडल से ट्वीट कर कहा कि, भारत अमेरिकी राष्ट्रपति के स्वागत को लेकर खासा उत्साहित हैं. ये यात्रा और उनका स्वागत उनके लिए बेहद ही यादगार होगा. ये दौरा भारत और अमेरिका की दोस्ती को और मजबूत करेगा.इसके तुरंत बाद उन्होने फिर एक ट्वीट किया जिसमें उन्होने बताया कि भारत और अमेरिका लोकतंत्र और बहुलवाद के लिए एक महत्वपुर्ण

प्रतिबद्धता साझा करते हैं. दोनो ही देश व्यापक रूप से कई मुद्दों पर सहयोग कर रहे हैं. राष्ट्रों के बीच की दोस्ती इस दौरे के बाद ज्यादा मजबूत होगी, जो न सिर्फ भारत के नागरिको के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए शुभ संकेत लेकर आएगी. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत दौरे की तारिखों को ऐलान हो चुका है. व्हाइट हाउस के ट्वीटर एकाउंट से हाल ही में ये जानकारी साझा की गई है. जानकारी के अनुसार ट्रंप 24 और 25 फरवरी को भारत का दौरा करेंगे और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात करेंगे.

दुबई में भारतीय मूल के व्यक्ति पर लगा यौन-उत्पीड़न का आरोप, पुलिस ने किया गिरफ्तार

दुबई । दुबई में एक भारतीय मूल के सेल्समैन पर एक किशोरी का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा है. किशोरी अपने मां के कहने पर ब्रेड खरीदने गई थी, तभी यह घटना हुई. की रिपोर्ट के अनुसार, दुबई कोर्ट ऑफ फर्स्ट इंस्टेंस ने सोमवार को मामले पर सुनवाई हुई, केनयाई महिला ने अपनी 10 वर्षीय बेटी को ब्रेड

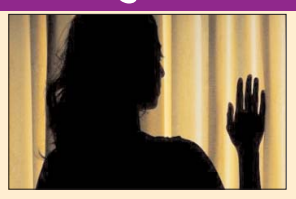

खरीदने भेजा था, तभी 23 वर्षीय सेल्समैन उसके पीछे-पीछे आया और एलिवेटर के अंदर उसका यौन-उत्पीड़न किया. महिला ने कहा, मेरी बेटी पांच मिनट बाद ब्रेड लेकर आई और आते ही कहा कि पुलिस को फोन करों. उसने मुझे बताया कि एक कर्मचारी ने लिफ्ट के अंदर उसके शरीर को छुआ. किशोरी के पिता सुपरमार्केट गए और दुबई पुलिस को घटना के बारे में सूचित किया, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया.

संक्षिप्त समाचार

विभिन्न थानाओं से बाइक चोरी

भिण्ड,ब्यूरो। देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जयश्रीराम गार्डन अटेर रोड़ से फरियादी की बाइक को अज्ञात चोर लोक तोड़कर ले गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी पूरन पुत्र बच्चू सिंह शाक्यवार उम्र 52 वर्ष निवासी मडैन का पुरा सिहौलिया किसी काम से जयश्रीराम गार्डन अटेर रोड़ आया हुआ था तभी अज्ञात चोर फरियादी की बाइक क्रमांक एमपी 06 एमआर 4409 कीमत 25000 हजार रूपये को लेकर रफूचक्कर हो गया। पुलिस ने फिलहाल अज्ञात चोर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारम्भ कर दी है। दूसरी घटना भी देहात थाने की है जहाँ फरियादी संजय पुत्र अर्जुन सिंह भदौरिया उम्र 35 वर्ष निवासी अंगदपुरा थाना अटेर रोड़ ने लिखित शिकायती आवेदन दिया जिसमें बताया कि अज्ञात चोर मेरी बाइक क्रमांक एतपी 30 एमआर 7613 कीमत बीस हजार रूपये को लेकर रफूचक्कर हो गया। पुलिस ने फिलहाल अज्ञात चोर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारम्भ कर दी है।

बाइक की टक्कर से 10 वर्षीय बच्ची घायल

भिण्ड,ब्यूरो। लहार थाना क्षेत्र के भाडेर रोड पर स्थित एक्सचेंज के सामने एक बाइक चालक ने लापरवाही से चलाकर जोरदार टक्कर मार कर 10 वर्षीय बालिका को घायल कर दिया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार अनुज पुत्र राजबहादुर पाठक निवासी साकेत नगर ने बताया 9 फरवरी शाम 4.05 बजे उसकी लड़की अंशिका उम्र 10 वर्ष पैदल जा रही थी, इसी दौरान डिस्कबर बाइक चालक राहुल कुशवाह निवासी बुद्धपुरा लहार ने टक्कर मार कर घायल कर दिया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर बाइक चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

हारजीत का दांव लगाते दो गिरफ्तार

भिण्ड,ब्यूरो। देहात थाना क्षेत्र के जामुना रोड पर माता वाली गली में ताश के पत्तों से हारजीत का दांव लगाते तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से नगदी जब्त की गई है। जानकारी के अनुसार थाना पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र के जामुना रोड पर माता वाली गली स्थित एक खाली प्लॉट में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। पुलिस ने मय दलबल के बताए गए स्थान की घेराबंदी कर रामबहादुर पुत्र बाबूराम जाटव एवं केशव पुत्र अमर सिंह जाटव दोनों निवासी माता वाली गली जामुना रोड भिण्ड तथा आशीष पुत्र कृपाराम जाटव निवासी नयापुरा जामुना रोड भिण्ड को दबोच लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 460 रुपए की नगदी एवं ताश की एक गड्डी जब्त की गई। पुलिस ने आरोपियों का थाने ले जाकर उनके खिलाफ जुआ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

तीन जगहों से पुलिस ने पकड़ी अवैध शराब

दतिया। जिले में इस समय अवैध शराब पकड़ो अभ्यिान चलाया जा रहा है जिसके क्रम में गोराघाट, सिविल लाईन एवं सेंवढ़ा थाना पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर अवैध शराब बरामद की। जानकारी के अनुसार गोराघाट थाना पुलिस ने इंदरगढ़ रोड स्थित ग्राम गोरा से एक युवक राजकुमार पुत्र प्रभुदयाल राजपूत उम्र 33 वर्ष निवासी बड़ेरा को मंगलवार की शाम 5:15 बजे देशी प्लेन शराब के 24 क्वार्टर कीमत 1200 रूपये सहित हिरासत में लिया। वहीं दूसरी ओर सिविल लाईन थाना पुलिस ने मंगलवार की शाम 5:30 बजे करन सागर के पास से एक महिला श्रीमती बवीता पत्नी भारत कंजर उम्र 40 वर्ष निवासी कंजर डेरा झड़िया को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 400 रूपये कीमत की चार लीटर कच्ची शराब बरामद की। वहीं सेंवढ़ा थाना पुलिस ने बुधवार की दोपहर 12 बजे मुबारक पुरा से एक महिला श्रीमती देवकी कंजर को गिरफ्तार कर 600 रूपये कीमत की पांच लीटर कच्ची शराब बरामद कर तीनो लोगों के विरूद्ध आवकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया।

युवक को पीटा दी धमकी

दतिया। डीपार थाना क्षेत्र के ग्राम ग्यारा में तीन लोगों ने गांव के ही एक युवक की गाली गलोच कर मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी। जानकारी के अनुसार विनोद पुत्र परमोल वाल्मीक उम्र 33 वर्ष निवासी ग्यारा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि गत दिवस जब वह गांव में जा रहा था तभी प्रभू जाटव, बिक्की जाटव एवं दिवाकर जाटव ने गाली गलोच कर मारपीट कर दी। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना में लिया।

मोटर साइकिल की टक्कर से शिक्षक घायल

दतिया। कोतवाली थाना क्षेत्र के अनामय आश्रम की मोड़ के पास विगत 9 फरवरी 2020 की रात 9:30 बजे एक मोटर साइकिल चालक ने तेजी व लापरवाही से चलाते हुये एक अन्य मोटर साइकिल में टक्कर मार दी जिससे मोटर साइकिल चला रहे एक शिक्षक को चोटें आई। जानकारी के अनुसार डा. मयंक ढेंगुला पुत्र आरके ढेंगुला उम्र 57 वर्ष निवासी कुंजनपुरा दतिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि जब वह अपनी मोटर साइकिल से 9 फरवरी की रात 9:30 बजे अनामय आश्रम की मोड़ के पास से बाजार की ओर जा रहे थे तभी एक अन्य मोटर साइकिल क्रमांक एमपी 32 एमबी 4621 के चालक ने उनकी मोटर साइकिल में टक्कर मार दी जिससे शिक्षक को चोटें आई तथा मोटर साइकिल क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना में लिया।

बकरियों को नहर मे पानी पिलाते समय चरवाहे की डूबने से मौत

दतिया। इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के पचौखरा नहर में मंगलवार की दोपहर 12 बजे एक चरवाहे की उस समय नहर के पानी में डूबकर मृत्यु हो गई जब वह अपनी बकरियों को पानी पिलाने के लिऐ नहर के अंदर उतरा था। जानकारी के अनुसार रामप्रकाश पुत्र जगन सिंह जाटव उम्र 52 वर्ष निवासी पचौखरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका दस वर्षीय लड़का विक्रम जाटव रोज की तरह मंगलवार को पचौखरा के जंगल में बकरियां चराने के लिये गया था तभी वह बकरियों को पानी पिलाने के लिये नहर में चला गया जिससे उसकी मृत्यु हो गई।

जमीनी कार्यकर्ता थे डॉ. राजेन्द्र प्रकाश : यशोधरा राजे

डॉ. सिंह के निधन पर शोक एवं श्रद्धांजलि सभा आयोजित

भिण्ड,ब्यूरो। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. राजेन्द्र प्रकाश सिंह के निधन पर पूर्व मंत्री एवं शिवपुरी विधायक यशोधरा राजे सिंधिया ने गोहद विधानसभा क्षेत्र के मौ कस्बा स्थित उनके निवास स्थान पहुंचकर शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया। उनके साथ जिलाध्यक्ष नाथूसिंह गुर्जर एवं पूर्व मंत्री लालसिंह आर्य साथ रहे।

इस मौके पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि उन्होंने सामाजिक जीवन में डॉक्टर की उपाधि लेकर सर्वसमाज की सेवा की और उनको जीवनदान दिया। 1990 में स्व. सुन्दरलाल पटवा मंत्रीमण्डल में स्वास्थ्य मंत्री एवं अन्य महत्वपूर्ण विभागों में अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए कार्य किया। ऐसे निष्ठावान दिवंगत कार्यकर्ता को मैं नमन करती हूं। हम सब कार्यकर्ता उनकी विचारधारा पर कार्य करते हुए संगठन को गति प्रदान करें। श्रीमती राजे ने कहा कि संस्कार अपनत्व, व्यक्तित्व राजनीति के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण चीजें होती थी, वह सब स्व. डॉ. साहब में थी, उन्हीं कि आर्दशों पर आज हम सबको चलना चाहिए। युवाओं के मार्गदर्शक के रूप में हमेशा याद किए जाएंगें।

श्रद्धांजलि सभा में गोहद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री लालसिंह आर्य ने कहा कि डॉ. राजेन्द्र प्रकाश सिंह ने रौन विधानसभा क्षेत्र से विधायक बनकर मंत्री बने और क्षेत्र की जनता की छोटी सी छोटी आवाज को बुंलदी तक पहुंचाया। और क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर पूर्व विधायक रसाल सिंह, पूर्व विधायक मथुराप्रसाद महंत, नरेन्द्र पाल सिंह भदौरिया, जिलाध्यक्ष अजय सिंह भदौरिया, क्षत्रसाल सिंह चौहान, सुरेन्द्र सिंह जादौन, केदारनाथ वर्मा, दतिया जिले के पूर्व जिलाध्यक्ष मेघसिंह गुर्जर, गोपाल सिंह कुशवाह, हरनारायण सिंह कुशवाह, सरनाम सिंह गुर्जर, शैलेन्द्र सिंह गुर्जर, रामअख्यातर सिंह गुर्जर, मौ मण्डी के अध्यक्ष सज्जन सिंह यादव, बहादुर सिंह, रघुवीर सिंह पवैया, गंभीर सिंह सिकरवार, फरेन्द्र सिंह सिकरवार, विजय सिंह चौहान, रुस्तम सिंह ने भी शोक व्यक्त करते हुए डॉ. सिंह के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के अन्तर्गत दूध के 11 टेंकर जप्त, सेम्पलिंग का कार्य जारी

भिण्ड,ब्यूरो। कलेक्टर छोटेसिंह के निर्देशन में शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत एसडीएम लहार एंव अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा ओमनारायण सिंह ने आज जिला मुख्यालय पर दूध से भरे 11 टेंकर जप्त कर खाद्य सुरक्षा की टीम द्वारा सेंम्पलिंग की कार्यवाही कर नमूने लेबोट्री में जांच हेतु भिजवाए।

राज्य शासन के निर्देशानुसार भिण्ड जिले में शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के अन्तर्गत एसडीएम लहार एंव अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा ओमनारायण सिंह के द्वारा कार्यवाहियां लगातार जारी है।

किशोर न्याय बोर्ड में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर सम्पन्न

भिण्ड,ब्यूरो। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड जे.के. वर्मा के आदेशानुसार किशोर न्याय बोर्ड भिण्ड में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में अपर जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड संजय कुमार द्विवेदी के द्वारा उपस्थित बालकों एवं उनके माता-पिता/ अभिभावकों को समझाईस दी गई कि वे अपने-अपने बच्चों की अच्छी परवरिस हेतु उन्हें बताया गया तथा इसके अतिरिक्त बच्चों के मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएँ और उनके संरक्षण, 2015 के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई। इस शिविर में प्रधान न्यायाधीश किशोर न्याय बोर्ड भिण्ड विनोद कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

प्रायवेट स्कूलों को मान्यता के लिये आवेदन की तारीख में वृद्धि

भिण्ड,ब्यूरो। प्रदेश में संचालित प्रायवेट स्कूलों को शिक्षा का अधिकार कानून के अंतर्गत नवीन मान्यता अथवा मान्यता नवीनीकरण के लिए मोबाईल एप से आवेदन करने की अंतिम तिथि को 10 फरवरी से बढ़ाकर 17 फरवरी कर दिया गया है। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्रीमती आइरीन सिंथिया जे.पी. ने इस संबंध में सभी जिला कलेक्टर्स को आदेश जारी कर दिए हैं। प्रायवेट स्कूलों की नवीन मान्यता एवं मान्यता नवीनीकरण की संशोधित समय सारणी के अनुसार प्रायवेट स्कूल, नवीन मान्यता अथवा जिन स्कूलों की पूर्व मान्यता शीघ्र समाप्त हो रही है, वे मान्यता नवीनीकरण के लिए मोबाईल एप से 17 फरवरी तक आवेदन कर सकते हैं। संबंधित विकासखंड स्त्रोत केन्द्र समन्वयकों द्वारा 03 मार्च तक स्कूलों का भौतिक सत्यापन कर ऑनलाईन निरीक्षण रिपोर्ट जिला शिक्षा अधिकारी को प्रेषित की जायेगी। जिला शिक्षा अधिकारियों द्वारा प्राप्त मान्यता आवेदनों का 30 मार्च तक निराकरण किया जायेगा।

चंबल संभाग में कई भू माफिया, अवैध रेत उत्खनन, अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ की गई कार्यवाही

भिण्ड,ब्यूरो। भू-माफियों, अवैध उत्खनन को रोकने के लिये प्रशासन द्वारा अकुंश लगाने की कार्यवाही जारी है। चंबल संभाग के दो जिले भिण्ड और मुरैना में भू-मफिया अवैध रेत उत्खनन अतिक्रमण करने एवं बाउण्ड्रीवाल बनाकर कब्जा करने वालों के खिलाफ जिला पुलिस और वन विभाग द्वारा कार्यवाही की गई हैं।

भिण्ड जिले में 3 फरवरी को परिवहन माफिया दिलीप कुमार भटेले का वाहन क्रमांक एमपी-06 बी 1746 को बिना मोटरयान करके जप्त कर पुलिस मालनपुर में सुरक्षार्थ रखा गया। इस वाहन पर बकाया मोटरयान कर 2 लाख 21 हजार 307 एवं इसी वाहन मालिक का दूसरा वाहन एमपी-030 पी 0169 पूर्व से ही जप्त कर पुलिस थाना मालनपुर में रखा है, वाहन पर बकाया कर 1 लाख 69 हजार 821 है। दोंनो वाहनों से कुल 3 लाख 91 हजार 128 रूपये की वसूली की जाना है। इसी प्रकार 5 फरवरी को कीरतपुरा (शासकीय महर्षि अरविन्द महाविद्यालय गोहद की शासकीय भूमि) से 44 पक्के एवं कच्चे मकानों तथा 4 पशुशाला एवं गोंडा को तोड़कर लगभग 10 बीघा शासकीय भूमि अतिक्रमण से मुक्त कराई गई। जिसकी कीमत लगभग 5 करोड़ रूपये है। बस स्टेण्ड गोहद पुलिस थाना के पास लेकर तहसील मुख्यालय गेट तक 80 अस्थाई एवं स्थाई गुमठियों एवं दुकानों को अतिक्रामकों से मुक्त कराई गई। जिसकी कीमत लगभग 4 लाख रूपये है। 7 फरवरी 2020 परिवहन माफिया शैलेन्द्र इटावा का वाहन क्रमांक यूपी-75 एटी 6207 ट्रक बिना परमिट बिना मोटरयान कर एवं बिना इन्श्योरेन्स के पाया गया एवं परिवहन माफिया हामिद निवासी धौलपुर का वाहन क्रमांक आरजे11जीबी 1778 बिना परमिट बिना मोटरयान कर एवं बिना फिटनेस के पाया गया। दोंनो वाहनों को सिटी कोतवाली भिण्ड में सुरक्षार्थ रखा गया। जिसकी कीमत लगभग 3 लाख 59 हजार 783 लाख रूपये है। मुरैना जिले की कैलारस तहसील में 8 फरवरी 2020 को वन विभाग, एस.ए.एफ. एवं पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में एक ट्रेक्टर ट्रॉली ईंट तथा एक ट्रॉली मिट्टी की अवैध परिवहन करते हुये पाये गये तथा तहसील जौरा से एक ट्रॉली पत्थर, एक ट्रॉली ईंट एवं एक डम्फर जिसमें सफेद खनिज गिट्टी पाई गई। परिवहन पर मध्यप्रदेश खनन परिवहन एवं भण्डारण निवारण नियम 2006 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया और ग्राम जरेरूआ तहसील बानमौर में खनिज मिट्टी अवैध उत्खनन का एक प्रकरण दर्ज किया गया।

मध्य प्रदेश में चरणबद्व तरीके से हो रहा किसानों का ऋण माफः डॉ. गोविंद सिंह

दतिया। जिले की भांडेर तहसील के ग्राम सालौन बी में कृषि विभाग द्वारा द्वितीय चरण का कर्ज माफी योजना के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के सामान्य प्रशासन एवं सहकारिता मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. गोविंद सिंह ने कहा है कि मध्य प्रदेश में किसानों का कर्ज माफकरने का जो वादा किया गया था, उसको सरकार द्वारा चरणबद्व ढंग से माफ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण के बाद अब द्वितीय चरण में किसानों का एक लाख रूपये तक का कर्ज माफकिया जा रहा है और कर्ज माफी का तृतीय चरण अप्रैल अथवा मई माह में शुरू हो जाएगा। समारोह में भाण्डेर एवं सेवढ़ा विधानसभा क्षेत्र के 4 हजार 181 किसानों को 21.38 करोड़ रूपये के कर्ज माफी के प्रमाण-पत्र बांटे गए। इस मौके पर भाण्डेर विधायक श्रीमती रक्षा संतराम सरोनिया, सेवढ़ा विधायक घनश्याम सिंह, कलेक्टर रोहित सिंह, नाहर सिंह, मुरारीलाल गुप्ता सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे। मंत्री श्री सिंह ने साफ किया कि कुछ लोग भ्रम फैला रहे हैं कि कर्ज माफ नहीं होगा जबकि वास्तविकता यह है कि कर्ज माफी के प्रथम चरण में 50 हजार रूपये तक का कर्ज माफ किया जा चुका है द्वितीय चरण में 50 हजार से लेकर 1 लाख तक का कर्ज माफकिया जाएगा। द्वितीय चरण में ही यहां किसानों का ऋण माफ किया जा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे ऋण माफी पा चुके किसानों के बारे में संबंधित बैंक शाखाओं में सूचना भिजवा दें कि किसानों का ऋण माफ हो चुका है और उनके खातों में यह रकम पहुंचाई जा रही है। डॉ. सिंह ने कहा कि सरकार ने वचन पत्र में जो वादे किए हैं, उनको पूरा किया जाएगा।

शा.उत्कृष्ट विद्यालय क्र.1 की 9वीं प्रवेश परीक्षाके आवेदन 15 फरवरी तक भरे जायेंगे

दतिया। जिला मुख्यालय पर संचालित होने वाले शा.उत्कृष्ट उच्चतर मा.विद्यालय क्र.1 में कक्षा 9वीं प्रवेश के लिए एम.पी.ऑनलाईन के माध्यम से आवेदन भरे जा रहे है। जिसकी अंतिम तिथि शासन द्वारा बढ़ाकर 15 फरवरी 2020 कर दी गई है। कक्षा 8वीं में अध्ययनरत छात्र-छात्रायें एम.पी.ऑन लाईन के माध्यम से प्रवेश हेतु आवेदन 15 फरवरी तक कर सकते है। विद्यालय के प्राचार्य यू.के. मेहोरिया ने बताया कि नवीन शिक्षा सत्र 2019-20 से विद्यालय की 200 शीटर छात्रावास बनकर तैयार हो गया है। जहाँ दूरस्थ ग्रामीण अंचल के छात्रों को छात्रावास में रहने की सुविधा मिलेगी। श्री मेहोरिया ने आगे बताया कि विद्यालय में कम्प्यूटर एवं स्मार्ट कक्षाओं के साथ-साथ अलग-अलग विषयों की सर्वसुविधायुक्त सुसज्जित लेव भी संचालित है। विद्यालय में इस वर्ष से अंग्रेजी माध्यम की कक्षायें संचालित की जायेगी तथा विद्यालय में प्रांगण में उत्कृष्ट क्रीड़ा गतिविधियाँ भी संचालित की जाती है।

इंदरगढ़ में आप कार्यकर्ताओं ने दिल्ली की जीत पर मनाया जश्न

दतिया। दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी की प्रचंड जीत पर कस्बा इंदरगढ़ में आप कायकर्ताओं ने शीतला माता मंदिर पर एकत्रित होकर रैली निकाली एवं मिठाई खिलाकर जीत की खुशी मनाई। इस अवसर पर जेपी कुशवाह, अशोक तिवारी, राधाचरण श्रीवास्तव, मुन्ना खाँ चच्चा, घनश्याम वर्मा, हरीसिंह रावत, प्रभुदयाल कुशवाह, राजू ईटोरिया, सलीम चच्चा व अरूण तिवारी आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में जन-अधिकार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित

श्योपुर (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ की अध्यक्षता में जन अधिकार वीसी का आयोजन आज मंत्रालय भोपाल से किया गया। इस वीसी में चयनित जिलो के शिकायतकर्ताओ से चर्चा की जाकर, उनका निराकरण संबंधित जिले के कलेक्टर से कराने की पहल की गई। इस वीसी के दौरान श्योपुर एनआईसी में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, सीईओ जिला पंचायत श्री हर्ष सिंह, डीएफओ सामान्य श्री सुधाशु यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पीएल कुर्वे एवं विभिन्न विभागो के जिला अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ ने वीसी में कहा कि जय किसान फसल ऋण माफी योजना के अंतर्गत फेस-2 में वास्तविक किसान छूटना नही चाहिए। उन्होने कहा कि ऐसे निर्माण कार्य जो प्रगति पर चल रहे है। उनको मार्च अंत तक पूरा कराया जावे। उन्होने कहा कि वन अधिकार अधिनियम कें अतंर्गत वनवासियों के द्वारा प्राप्त लंबित दावो का निराकरण सजग होकर किया जावे। टेक्नीकल ग्राउंड पर केश रिजेक्ट नही होने चाहिए। उन्होने कहा कि सूदखोरो के विरूद्ध अभियान चलाया जावे। जिसका प्रचार-प्रसार भी किया जावे। उन्होने कहा कि मिलावटखोरो पर भी कार्यवाही होनी चाहिए। जिसमें दवाईयां बनाने वाली कंपनीयो की चैकिंग की जावे। उन्होने कहा कि किसान बंधु की दिशा में फरवरी अंत तक सभी कार्यवाहियां पूरी होनी चाहिए। इसी प्रकार बोर्ड परीक्षाओं में नकल पर प्रतिबंध लगाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाये जावे।

निर्माणाधीन गौशालाओं का कार्य समय पर पूरा करावे-कलेक्टर

पशु पालन विभाग में संचालित योजनाओं की समीक्षा

श्योपुर (ब्यूरो)। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में पशुपालन विभाग के अंतर्गत संचालित हितग्राही मूलक योजनाओ की समीक्षा बैठक गत दिवस कलेक्टर कार्यालय श्योपुर के सभागार में आयोजित की गई। इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री हर्ष सिंह, उपसंचालक पशु पालन डॉ एलएन आयरनवाल एवं जिले के पशु चिकित्सक, वीएफए उपस्थित थे।

कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जिले में ग्राम पंचायतो के माध्यम से गौशालाओ के निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। निर्माणाधीन गौशालाओ का कार्य समय पर पूरा कराया जावे। उन्होने कहा कि गौशाला निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण कर डिजाइन के अनुसार कार्य कराने के लिए ग्राम पंचायतो के सचिवो को समझाइश दी जावे। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री गौ सेवक योजना के अंतर्गत निर्मित गौशालाओ का संचालन प्रारंभ होने पर उपलब्ध गौवंश के लिए चारा, भूसा, पीने के पानी की व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित की जावे।

कलेक्टर ने राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भधान योजना एवं विभागीय हितग्राही योजनाओ की योजनावार समीक्षा की। साथ ही योजनाओ का लक्ष्य समय सीमा में पूरा करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। उन्होने कहा कि विभाग को आवंटित विभिन्न योजनाओं के लक्ष्यो की पूर्ति चालू माह में की जावे। यह लक्ष्यपूर्ति शत-प्रतिशत होनी चाहिए।

इसी प्रकार वत्सपालन योजना के लक्ष्य इसी माह में पूरे कराये जावे। साथ ही आचार्य विद्या सागर योजना के लक्ष्य भी शीघ्र पूरे होने चाहिए। उन्होने कहा कि प्रायवेट गौशालाओ को अनुदान राशि उपलब्ध कराने पर भी चर्चा की। बैठक में उपसंचालक पशु पालन डॉ एलएन आयरनवाल ने विभागीय योजनाओं में लक्ष्यपूर्ति और विभिन्न प्रकार की गतिविधियों की जानकारी दी।

राजनीति के लिए सबक है दिल्ली का जनादेश

राजकुमार सिंह

फिर एक बार भाजपा देश का दिल यानी दिल्ली जीतने में विफल रही। दिल्ली के मतदाताओं ने विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के बजाय अराजनीतिक लोगों की बहुतायतवाली महज चंद साल पुरानी आम आदमी पार्टी (आप) पर भरोसा जताया। भरोसा भी ऐसा कि तमाम दावों के बावजूद सत्ता के मुकाबले में दूर-दूर तक कोई नजर नहीं आया। राजनीतिक दल और नेता एक कार्यकाल के बाद मिलने वाली पराजय के लिए सत्ता विरोधी भावना की आड़ लेते नजर आते हैं, लेकिन आयकर अधिकारी की नौकरी छोड़कर सूचना का अधिकार कार्यकर्ता से राजनेता बने अरविंद केजरीवाल की अगुवाई में आप तीसरी बार दिल्ली में सरकार बनाने जा रही है। बेशक मुफ्त सुविधाओं के विस्तार का लोक लुभावन वायदा करने का लोभ संवरण केजरीवाल भी नहीं कर पाये, पर मानना पड़ेगा कि उन्हें यह जनादेश कामकाज के बल पर ज्यादा मिला है, वरना मुफ्तखोरी के वायदे करने में तो कांग्रेस-भाजपा, आप से भी आगे निकल गये थे। आत्मघात पर आमादा नजर आ रही कांग्रेस ने तो यह दिल्ली विधानसभा चुनाव ढंग से लड़ा ही नहीं, लेकिन भाजपा ने तो पूरी ताकत झोंक कर इसे जंग जैसा ही बना दिया था।

मतदान से लगभग एक पखवाड़े पहले ही जगत प्रकाश नड्डा ने पूर्णकालिक अध्यक्ष के रूप में भाजपा की कमान संभाल ली थी, लेकिन दिल्ली विधानसभा चुनाव में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ही मुख्य मोर्चा संभाले नजर आये। बेशक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी प्रचार के अंतिम दिनों में चिर परिचित शैली में कुछ रैलियां कीं, नड्डा भी लगातार सक्रिय रहे, पर सेनापति की भूमिका में अमित शाह ही नजर आये। अपनी छवि के अनुरूप शाह ने आक्रामक अंदाज में विरोधियों पर चौतरफा हमला बोलने में कोई कसर नहीं छोड़ी। शाहीन बाग के बहाने सीएए, एनआरसी, एनपीआर से ले कर पाकिस्तानपरस्ती तक के मुद्दे जोर-शोर से उठाये जाने से ऐसा लगने लगा मानो चुनाव एक अपूर्ण राज्य दिल्ली की सरकार के बजाय देश की सरकार चुनने के लिए हो रहा हो। खासकर टीवी न्यूज चैनलों पर ज्ञान बांटने वाले स्वयंभू राजनीतिक पंडितों को सुन कर तो ऐसा लगा भी कि शाहीन बाग के जरिये आप की बढ़त रोक कर भाजपा लंबी छलांग लगा सकती है। लेकिन वातानुकूलित कमरों में बैठ कर आंकड़ों की बाजीगरी के सहारे जमीनी हकीकत नहीं समझी जा सकती, और जमीनी हकीकत यही है कि कभी-कभी अपनी टिप्पणियों और हरकतों से समझदार लोगों को चिढ़ाने की हद तक चले जाने के बावजूद केजरीवाल दिल्ली के आम आदमी के दिल पर अभी भी राज कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें उसकी नब्ज पता है।

भाजपा को नकारे जाने के साथ ही दिल्ली के मतदाताओं, खासकर हिंदू मतदाताओं की राष्ट्रभक्ति और विवेक पर सवाल उठाने का खेल सोशल मीडिया पर शुरू हो गया है, लेकिन आम आदमी की नब्ज समझने के लिए भक्तों को कल्पना के मूर्खलोक से निकल कर यथार्थ की कठोर जमीन पर उतरना पड़ेगा। इसमें दो राय नहीं कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र और विशाल देश भारत को चलाने के लिए एक स्थिर सरकार और मजबूत नेतृत्व चाहिए। इसीलिए पिछले चुनावी वायदों पर अमल न हो पाने के बावजूद देश के मतदाताओं ने पिछले साल हुए सत्रहवीं लोकसभा के चुनावों में नरेंद्र मोदी के नाम पर भाजपा को पहले से भी अधिक प्रचंड बहुमत सरकार बनाने के लिए दिया। बेशक उसमें यह जन आकांक्षा निहित है कि मजबूत नेतृत्व में एक स्थिर सरकार बेरोजगारी, मंदी और महंगाई सरीखी मारक चुनौतियों से पार पाते हुए सर्वांगीण विकास के जरिये देश को सही दिशा दे पायेगी। निश्चय ही इस जन आकांक्षा की कसौटी पर मोदी सरकार अगले लोकसभा चुनावों में ही कसी जायेगी। इसलिए पिछले साल लोकसभा चुनावों के बाद होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा के निराशाजनक प्रदर्शन को मोदी सरकार पर जनमत संग्रह मान लेना उतना ही गलत होगा, जितना राष्ट्रीय और भावनात्मक मुद्दों पर विधानसभा चुनावों में वोट की अपेक्षा करना। जाति-धर्म जो भी हो, आम आदमी की अपेक्षाएं बहुत ज्यादा नहीं हैं, पर उसे जीवन के लिए जरूरी पानी, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य तो अपनी पहुंच के अंदर चाहिए ही। कहना नहीं होगा कि अपूर्ण राज्य की सीमाएं जानते हुए भी अपने कार्यकाल के शुरू में केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री मोदी से अवांछित टकराव मोल लेने के बावजूद केजरीवाल मुख्य चुनावी वायदों पर अमल के जरिये मतदाताओं में और बेहतर करने का विश्वास जगाने में सफल रहे।

हालांकि अपनी पीठ खुद थपथपाना व्यावहारिक रूप से आसान नहीं, पर हमारे राजनेता तो कुछ भी करने में समर्थ हैं। इसलिए आश्चर्य नहीं होना चाहिए अगर लगातार दूसरी बार खाता तक खोलने में नाकाम रही कांग्रेस मत प्रतिशत भी गंवाने के बावजूद आप के शानदार प्रदर्शन और उसके जरिये भाजपा को सत्ता से दूर रखने के लिए अपनी पीठ खुद थपथपाने लगे। जिस पार्टी ने लगातार तीन कार्यकाल दिल्ली में सरकार चलायी हो, वह लगातार दो विधानसभा चुनावों में खाता तक न खोल सके तो इससे ज्यादा शर्मनाक स्थिति दूसरी नहीं हो सकती, पर लगता है कि कांग्रेस ने ऐसी स्थितियों के लिए खुद को तैयार कर लिया है। अभी पिछले साल ही लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सीटों पर कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही थी, लेकिन विधानसभा चुनाव में मत प्रतिशत में पिछले चुनाव से भी नीचे आ गयी, क्योंकि मतदाताओं ने माना कि सत्ता के मुकाबले से बाहर कांग्रेस को वोट देना दरअसल वोट बर्बाद करना होगा। कांग्रेस नेतृत्व भले ही इसे वोट ट्रांसफर बताते हुए अपनी रणनीतिक सफलता करार दे, पर सच यही है कि यह दिल्ली के मतदाताओं की अपनी राजनीतिक समझ थी, वरना कांग्रेस को जाने वाला हर वोट अंततः भाजपा को मजबूती प्रदान करता। बेशक पिछली बार से ज्यादा मत प्रतिशत के बहाने भाजपा नेता भी अपनी पीठ खुद थपथपाने में पीछे नहीं रहेंगे, लेकिन यह सच है कि अगर इन चुनावों में कांग्रेस एकदम से रसातल को नहीं चली जाती तो नतीजे इस तरह एकतरफा नहीं आते। निश्चय ही आक्रामक चुनाव प्रचार के जरिये भाजपा अपने परंपरागत समर्थक मतदाताओं को गोलबंद करने, और इसीलिए मत प्रतिशत भी बढ़ाने में सफल रही, लेकिन कांग्रेस का परंपरागत वोट बैंक विधानसभा चुनाव में आप के ही साथ जाने से उसकी मेहनत सीटों में तब्दील नहीं हो पायी। जाहिर है, कल ही चुनाव परिणाम आये हैं, और इनके बारीक विश्लेषण का सिलसिला लंबा चलेगा, लेकिन कांग्रेस-भाजपा के लिए एक सबक साफ हैः बिना विश्वसनीय प्रदेश नेतृत्व के बात नहीं बनेगी। दिल्लीवालों ने आप को नहीं, केजरीवाल के नाम पर वोट दिया है, जैसे कि पिछले दो लोकसभा चुनावों में भाजपा को मोदी के नाम पर वोट मिला। कांग्रेस और भाजपा, दोनों राष्ट्रीय दलों की विडंबना यह है कि दिल्ली में प्रभावी-विश्वसनीय नेतृत्व उनके पास नहीं है, जिसके चेहरे पर वोट मांगा जा सके। समाजवादी पार्टी के रास्ते भाजपा में आये भोजपुरी गायक-कलाकार मनोज तिवारी प्रदेश अध्यक्ष तो बनाये जा सकते हैं, पर केजरीवाल का विकल्प नहीं बन सकते। शीला दीक्षित के निधन के बाद ऐसे ही नेतृत्व संकट से कांग्रेस भी गुजर रही है। निश्चय ही चेहरों पर चुनाव लड़ा जाना दलीय लोकतंत्र के लिए सुखद नहीं माना जा सकता, लेकिन काम के नाम पर वोट मिलना अवश्य शुभ संकेत है,जो राजनीतिक दलों-नेताओं को बेहतर कामकाज के जरिये जन आकांक्षाओं पर खरा उतरने के लिए प्रेरित करेगा।

संपादकीय

फिर आप की छाप

बेहद संजीदगी व सुनियोजित तौर-तरीकों से चुनाव लड़ी आम आदमी पार्टी भाजपा के आक्रामक चुनाव प्रचार के बावजूद तीसरी बार सरकार बनाने में कामयाब हुई है। भले ही पिछले चुनाव के मुकाबले उसकी कुछ सीटें कम हुई हैं, मगर सरकार पूर्ण बहुमत से बनने जा रही है। केजरीवाल ने राष्ट्रवाद के मुद्दे का भी मुकाबला किया और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को भी खारिज किया। मुस्लिमों को भी साधा और हनुमान चालीसा पढ़कर हिंदू वोटरों को भी नाराज नहीं होने दिया। केजरीवाल शेष विपक्षी दलों पर भी हमलावर नहीं हुए। बस विकास के मुद्दे पर वोट मांगते रहे। कहते रहे—काम हुआ है तो वोट देना। केजरीवाल की जीत की सरल व्याख्या यह हो सकती है कि वे मुफ्त की राजनीति करने में कामयाब हुए हैं। मगर कहा जा सकता है कि विकास के दावों और विकास का सीधा लाभ नजर आना दो अलग-अलग बातें हैं। निस्संदेह इस चुनाव में केजरीवाल की रणनीति नपी-तुली रही। कहीं न कहीं इसके पीछे कभी भाजपा के रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर की रणनीतियों को भी श्रेय दिया जाता है। वे भले ही कोई बड़ा करिश्मा न कर सके, मगर भाजपा को समझने की दृष्टि?उन्होंने आम आदमी पार्टी को जरूर दी। उनके गढ़े गये नारे दिल्ली के चुनाव में ?खूब गूंजते रहे। दरअसल, समय के साथ-साथ दिल्ली की जनसंख्या के समीकरण बदलते गये हैं। वहां उ.प्र., बिहार समेत कई राज्यों से आने वाले लोगों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है, जो कि भाजपा के परंपरागत वोट बैंक पर भारी पड़े हैं। भाजपा ने इस समीकरण को देखते हुए बिहार के मनोज तिवारी को दिल्ली भाजपा का अध्यक्ष भी बनाया था, मगर ये दांव काम नहीं आया। इस चुनाव में उस मतदाता वर्ग की बड़ी भूमिका रही जिसे मुफ्त की बिजली-पानी, मोहल्ला क्लीनिक व शिक्षा व्यवस्था में सुधार का लाभ मिला। निस्संदेह जनता अब सरकार के दावों व हकीकत में उनका असर देखना चाहती है। आने वाले वक्त में इन चुनाव परिणामों की तरह-तरह से व्याख्या होगी। भाजपा की रीति-नीतियों का पोस्टमार्टम होगा। मगर एक हकीकत यह भी है कि वर्ष 2014 के चुनाव में भाजपा को वोट देने वाली दिल्ली ने 2015 में आप को बंपर मतों से जीत दिलायी थी। वही बात दिल्ली की जनता ने 2019 के आम चुनाव व 2020 के विधानसभा के चुनाव में दोहरायी है। यानी केंद्र में उस पार्टी को बहुमत जो केंद्र में सरकार बनाने में समर्थ है और राज्य स्तर पर उस पार्टी को जो स्थानीय मुद्दों पर ध्यान दे सके। कह सकते हैं कि दिल्ली में भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित न करने का भी नुकसान हुआ, मगर यह नुकसान 2015 में पार्टी का चेहरा घोषित करने के बाद हुए नुकसान से कम है। शायद कहीं न कहीं भाजपा भारतीय जनमानस के मन को समझने में विफल रही है जो मध्यमार्गी विचारधारा का समर्थक रहा है। खासकर दिल्ली जैसे पढ़े-लिखे लोगों के शहर में। पिछले दिनों दिल्ली में केंद्र सरकार के खिलाफ जो आंदोलन हुए और जेएनयू में हमले की घटनाओं ने कहीं न कहीं केंद्र सरकार की रीति-नीतियों से युवा मन को विमुख बनाया। भाजपा के लिये यह चिंतित होने का समय है कि वर्ष 2019 के आम चुनाव में अपार सफलता के बाद उसके हाथ से महाराष्ट्र, झारखंड के बाद दिल्ली क्यों निकल गया। यह भी कि मोदी का विकास मंत्र चलेगा या उग्र राष्ट्रवाद व ध्रुवीकरण का मंत्र। यहां यह भी विचारणीय है कि दिल्ली से शुरू हुआ मुफ्त की राजनीति का रोग पूरे देश में फैलने वाला है। महाराष्ट्र में बिजली मुफ्त देने की कवायद के बाद पश्चिम बंगाल में यह कोशिश शुरू हो गई है।

नतीजे और निष्कर्ष

दिल्ली विधानसभा चुनाव के ताजा नतीजे क्या कह रहे हैं? नौ महीने पहले की बात है, जब दिल्ली के यही मतदाता अपने घरों से निकले थे, तब वे नरेंद्र मोदी को दिल्ली की सत्ता सौंपने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध दिख रहे थे। पूरी दिल्ली जैसे 'अबकी बार तीन सौ पार' के नारे वाली भारतीय जनता पार्टी के लक्ष्य में अपना ज्यादा से ज्यादा योगदान करने के लिए निकल पड़ी थी। उस लोकसभा चुनाव के नतीजों को अगर विधानसभावार देखें, तो कोई भी इस नतीजे पर पहुंच सकता था कि अब दिल्ली प्रदेश में भी भाजपा सरकार बनने से कोई नहीं रोक सकता। पर इस बार मतदाताओं ने कुछ और ही कहानी लिखने की ठान ली थी। नौ महीने बाद वही मतदाता इस बार जब घर से निकले, तो उन्होंने भाजपा को इकाई अंक में ही सीमित करके रख दिया। हालांकि इसमें कोई नई बात भी नहीं है, हुआ तो पिछली बार भी यही था। 2014 के लोकसभा चुनाव में दिल्ली के इन्हीं मतदाताओं ने भाजपा को भारी जीत दिलाई थी, लेकिन कुछ ही महीने बाद जब वे विधानसभा चुनाव के लिए वोट डालने निकले, तो उनकी पसंद आम आदमी पार्टी थी और उसके नेता थे अरविंद केजरीवाल। कई दूसरे राज्यों की तरह ही दिल्ली के मतदाताओं ने भी हर चुनाव में अपने विकल्पों को ठोक-बजाकर परखने का हुनर सीख लिया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे यह भी बता रहे हैं कि राजनीतिक पार्टियों को यह मानकर नहीं बैठना चाहिए कि वे जो सियासी हवाएं गढ़ेंगी, लोग उसी के थपेड़ों में बहते हुए मतदान केंद्रों तक पहुंच जाएंगे। भाजपा की कोशिश यही थी कि राष्ट्रवादी बयार दिल्ली को पूरी तरह अपने आगोश में ले ले।

केजरीवाल की जीत से सीखे विपक्ष

कृष्ण प्रताप सिंह

यह कहना कहीं ज्यादा उपयुक्त होगा कि अंततः अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी से जुड़े मुद्दों पर मतदान करके दिल्लीवासियों ने उस भूल का सुधार कर लिया है, जो अभी कुछ ही महीने पहले लोकसभा चुनाव में राष्ट्रवाद के उन्माद में सारे देश के साथ ध्रुवीकृत होकर उन्होंने की थी। यहां याद किया जा सकता है कि लोकसभा चुनाव के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली तक जिन भी राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए हैं, मतदाताओं ने यही पश्चाताप का रुख प्रदर्शित किया है।

उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा आखिरी क्षणों में उन्हें लुभाने के लिए अयोध्या में राममन्दिर निर्माण के लिए ट्रस्ट के ऐलान के पीछे की सोच को नजरअंदाज किया है, भाजपा भव्य राममन्दिर निर्माण का श्रेय लेने की कोशिश में गच्चा खा गई। भाजपा इसका ठीकरा अपने संगठन की कमजोरी या स्थानीय नेताओं व मुद्दों पर भी नहीं फोड़ सकती। इस चुनाव में स्थानीय मुद्दों पर तो उसने कभी वोट मांगे ही नहीं और सारा प्रचार राष्ट्रीय मुद्दों और नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा मारे गये तीरों पर रखा था। उसके मंत्री, मुख्यमंत्री और सांसद आप को उसकी केजरीवाल सरकार के किये-धरे को लेकर घेरने के बजाय शाहीनबाग जैसे मामलों पर कैफियत तलब कर रहे या उनसे जोड़ रहे थे, जो दिल्ली सरकार के संवैधानिक अधिकार क्षेत्र में आते ही नहीं। तिस पर भाजपा अनधिकृत कॉलोनियों के निवासियों के हक में किये मोदी सरकार के फैसले का लाभ लेने से भी चूक गई, जिसे लेकर पहले वह बाकायदा रैली आयोजित कर दावा कर रही थी।

ऐसे में मोदी सरकार इसे अपने महत्वाकांक्षी संशोधित नागरिकता कानून पर जनमत संग्रह का रूप देकर फंस गई। उसकी यह फसंत इस अर्थ में उसे ज्यादा सालने वाली है कि पड़ोसी देशों के जिन हिन्दू शरणार्थियों की चिंता में दुबली होकर उसने यह कानून बनाया, बंटवारे के वक्त वे बड़ी संख्या में दिल्ली आये थे और उन्हीं के बूते उसके पूर्वावतार जनसंघ का यहां बड़ा आधार हुआ करता था। बीस साल बाद भी वह अपना यह खोया हुआ आधार वापस नहीं पा सकी तो साफ है कि उसे आत्मावलोकन की बहुत सख्त जरूरत है।यह समझने की भी कि यह मध्यमार्गी देश है और किसी भी तरह की अति को स्वीकार करना इसके स्वभाव में नहीं है। गम्भीर आत्मावलोकन ही प्रधानमंत्री को अहसास करा सकता है कि दूसरी बार चुनकर आने के बाद उन्होंने साम्प्रदायिक विभाजन बढ़ाने वाली आक्रामकता की राह पर चलने की जो हड़बड़ी दिखाई, उसके बजाय उनका विकास का महानायक बने रहना कहीं ज्यादा ठीक था। उनके लिए भी और देश के लिए भी।हां, भाजपा कह सकती है कि आप ने मतदाताओं को मुफ्त बिजली-पानी व बस यात्रा वगैरह की जो लत लगाई है, वही एक दिन आगे बढ़कर उसकी राह रोक देगी। लेकिन जब रोक देगी तब रोक देगी, अभी तो आप इसका जवाब यह कहकर दे रही है कि इस मुफ्त के लिए उसने राज्य के बजट पर कोई बोझ नहीं बढ़ाया है। अलबत्ता, मुफ्त की लत नफरत की लत से कहीं कम घातक है। अब आप और उसके नायकों का इस जीत के नशे में अतिमहत्वाकांक्षा, अति आत्मविश्वास और आपसी सिर फुटौवल तीनों से बचना बेहतर होगा। वरना भाजपा कभी भी बिल्ली के भाग्य से छींका टूटने की कहावत को चरितार्थ कर सकती है। वैसे भी वह अभी से इस तर्क के सहारे अपनी पराजय को नकार रही है कि उसका मत प्रतिशत तो बढ़ा ही है। अपनी राष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस का खाता न खुलने देने का श्रेय भी वह खुद ही ले रही है।

नई ताकत को नहीं समझ पाने की चूक

राकेश सिन्हा

दिल्ली के जनादेश को राष्ट्रीय और स्थानीय, दोनों परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। वास्तव में यह चुनाव स्थानीय मुद्दों और स्थानीय नेतृत्व व कार्यकर्ताओं से जुड़ा था, लेकिन 2014 के बाद से जो भी चुनाव हुए हैं, उनके नतीजों को भारतीय जनता पार्टी व हिंदुत्व-विरोधी राजनीतिक और गैर-राजनीतिक ताकतों ने स्थानीयता से बाहर निकलकर राष्ट्रीय फलक से देखने की कोशिश की है। जहां भी भाजपा को विफलता मिली, उस हार को विचारधारा, नेतृत्व और संगठन की पराजय के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश होती रही है। यही बात दिल्ली के चुनाव के दौरान और जनादेश आने के बाद हो रही है।

यह अस्वाभाविक भी नहीं है, क्योंकि राजनीति में कई दशकों का आधिपत्य तोड़कर भाजपा ने जब से अपनी विचारधारा और संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया, तभी से हाशिये की ताकतें एकजुटता के साथ इसकी हर विफलता को अपनी सफलता बताने की कोशिश करती रही हैं। इसलिए दिल्ली चुनाव परिणाम की व्याख्या दोनों शिविरों में दो प्रकार से होगी।

परंपरागत राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के बिखरने के परिणाम को और उसके स्थान पर जनांदोलन का मुखौटा ओढ़कर उभरती हुई नई ताकत को गंभीरता से नहीं समझना एक चूक रही है। वास्तव में आम आदमी पार्टी नव समाजवादी ताकत के रूप में जनता को आकर्षित करने में सफल हुई है। इसके तहत उसने आम लोगों के बीच राजनीति के प्रति बढ़ रही अनास्था को भुनाने का काम किया और बिना सिद्धांतवादी हुए नव उदारवादी आर्थिक व्यवस्था के प्रतिकूल संदेश उन लोगों तक पहुंचाए, जो सामाजिक-आर्थिक पायदान पर निम्न-मध्यम और मध्यम वर्ग के कहे जाते हैं। इस प्रकार की अस्थाई राजनीति अल्पकाल में सफलता की संभावनाओं से भरी होती है।

आंकड़ों के गणित और तात्कालिक परिणामों से अलग हटकर दिल्ली को एक अलग तरह से देखने की आवश्यकता है। अरविंद केजरीवाल ने जिस कुशलता के साथ केंद्र सरकार की योजनाओं को लगातार दरकिनार करके अपने को नई वर्ग-चेतना से जोड़ने का काम किया है, वह उनकी सफलता हासिल करने में काफी मददगार साबित हुई है।

दिल्ली के चुनाव परिणाम के संदर्भ में दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष है, भाजपा के विरुद्ध परंपरागत बुद्धिजीवियों का लगातार हमला, जो पार्टी के अहित में धारणा बनाने में सफल हुआ। लोकतंत्र की विशेषता इसी में है कि जनादेश का आदर करते हुए जनपक्षधरता को निरंतर आगे बढ़ाया जाए। लेकिन तब सवाल उठता है, जब भाजपा -विरोधी दल मनोनुकूल परिणाम न मिलने पर जनादेश का अपमान व लोकतंत्र का अवमूल्यन करना शुरू कर देते हैं, जैसा उन्होंने 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद किया।

इसीलिए दिल्ली का नतीजा उन सभी ताकतों के लिए भी संदेश है कि जनादेश हमेशा मन के अनुकूल नहीं होते और जब नतीजा मनोनुकूल न आए, तो जनतंत्र को अराजकता के अग्नि-कुंड में धकेलने का बौद्धिक और राजनीतिक उपक्रम नहीं करना चाहिए।

सू- दोकू क्र.040

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बना है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.39 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

क्या कहते हैं आपके सितारे

मेष : अविवाहितों के लिए विवाह के नए अवसर प्राप्त होंगे। विद्यार्थी वर्ग के लिए समय अनुकूल है, वो भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

वृषभ : वैवाहिक अथवा प्रेम संबंधों के लिए समय मिश्रित है। विद्यार्थी समय का सदुपयोग करने में सक्षम रहेंगे।

मिथुन : प्रेम संबंधों के प्रति लापरवाही बरतनें से मन-मुटाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। भविष्य की योजनाएं बहुत सूझ-बूझकर बनाएं।

कर्क : आजीविका क्षेत्र में लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। मधुरवाणी से संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ाएंगे। आलस्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अवरोधक होगा।

सिंह : कोई महत्वपूर्ण कार्य सार्थक होने के योग हैं। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा, किसी बाहरी व्यक्ति या स्थान से लाभ हो सकता है।

कन्या : नए कार्य में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी संबंधी अथवा खुद की अस्वस्थता से परेशान हो सकते हैं। राजनीतिक क्षेत्र के व्यक्तियों के अच्छा समय है।

तुला : घर गृहस्थी का वातावरण अच्छा नहीं दिखाई देगा, ससुराल पक्ष का तनाव उपस्थित हो सकता है। स्वास्थ्य गड़बड़ हो सकता है।

वृश्चिक : प्रेम संबंध में कुछ दूरी आ सकती है। इनसे संबंधित मामलों को निर्णायक मोड़ पर लाने की आवश्यकता नहीं। आत्मविश्वास की कमी हो सकती है।

धनु : भाई, बहन, बंधु-बांधवों से विचार के तालमेल का अभाव बनेगा, सहकर्मियों से भी संबंध में गड़बड़ी आ सकती है।

मकर : कुछ झंझट उपस्थित हो सकते हैं, इनको सुलझाने का प्रयास करें। शार्टकट का सहारा न लेकर सुरक्षित राह पर चलें।

कुंभ : धन की स्थिति कमजोर दिखाई दे सकती है, इसे मजबूत बनाने का हर प्रयास करें। मातापक्ष के किसी कार्यक्रम में बाधा उपस्थित हो सकती है।

मीन : अनायास लाभ प्राप्ति की संभावना बन सकती है, इसलिए रिस्क लेने की कोशिश की जा सकती है।

मानव सेवा ही बड़ी सेवाः खाद्य मंत्री तोमर

जोन क्रमांक 4 पर जन समस्याओं के निराकरण और योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु शिविर सम्पन्न

ग्वालियर । प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री प्रद्युम्न सिहं तोमर ने कहा है कि गरीबो का हक दिलाना सरकार की पहली प्राथमिकता हैं। मानव सेवा से बडा दूसरा कोई कार्य नहीं है। हम प्रतिबद्ध हैं कि प्रदेश में कोई भी गरीब भूखा ना सोये। शिविर के माध्यम से आम जनो की समस्याओ का निराकरण आसानी से हो सके इसीलिए क्षेत्रिय कार्यालय पर शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

मंत्री श्री तोमर ने कहा कि जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए लगाए गए शिविर के सार्थक परिणाम तभी आयेंगे, जब लोगों की समस्याओं का निराकरण शीघ्रता से करेगें। जनसमस्या निवारण शिविर में अपर कलेक्टर श्री अनूप सिंह, अपर आयुक्त श्री नरोत्तम भार्गव, एसडीएम श्री प्रदीप तोमर, पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री कृष्णराव दीक्षित, श्री अशोक प्रेमी, पूर्व पार्षद श्री शशी शर्मा, पूर्व पार्षद चन्दू सेन, पूर्व पार्षद केशव मांझी, प्रशासन के विभागीय अधिकारी व नगर निगम के विभागीय अधिकारी एवं क्षेत्रिय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने आम जनों की समस्याओं के निराकरण के लिए जोन क्रमांक 4, तानसेन नगर, मलिन गार्डन रमटापुरा में लगाये शिविर में लगभग 1500 आवेदन आये। मंत्री श्री तोमर ने सभी की समस्याओं को बारी बारी से सुना और उनका निराकरण मौके से ही कराकर हितग्राही को संतुष्ट कर घर भेजा और कहा कि गरीब खुशहाल होगा तो हम भी खुशहाल होगें।

प्रदेश के खाद्य मंत्री श्री तोमर ने शिविर में यह भी कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा विधवा पेंशन एवं निराश्रित पेंशन की राशि 300 रूपए से बढ़ाकर 600 रूपए कर दी गई है। शिविर में जितने भी पेंशन के आवेदन आये उनको शिविर में ही पेंशन पात्रता प्रमाण पत्र खाद्य मंत्री श्री तोमर के माध्यम से वितरित किये गऐ। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि आम जनों की समस्याओं का निराकरण हमारी प्राथमिकता है। इन शिविरों में प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों का निराकरण प्राथमिकता से कराया जायेगा। प्रदेश के खाद्य मंत्री श्री तोमर ने कहा की आम जन की समस्याओं को देखते हुए एक ही छत के नीचे आम जन की समस्याओं का निदान किया जा रहा है। शिविर में सेवा नगर से आई जरीना बेगम और रहीसा बेगम जिनकी उम्र लगभग 80 वर्ष थी बैंक में अंगूठा नही लग पाने के कारण काफी समय से पेंशन नही मिल रही थी। मंत्री श्री तोमर ने बैंक प्रबंधन से बात कर बैंक के नोडल अधिकारी को शिविर में बुलाकर मौके पर ही समस्या का निराकरण कराकर अपने हाथों से पेंशन प्रदान की। शिविर में आई नूरगंज निवासी श्रीमती पार्वती बाई का कहना था कि उनको पेंशन के लिए काफी चक्कर लगाने पडे फिर भी पेंशन चालू नही हुई परंतु आज शिविर का पता चला यहां आई तो मेरी पेंशन बन गई और मंत्री श्री तोमर को आर्शीवाद दिया।

क्षेत्रिय कार्यालय 4 मिलन गार्डन रमटापुरा पर आम जनता की सुविधा के लिए लगाये गये जनसमस्या निवारण शिविर में हितग्राहियों के वृद्ध व विधवा पेंशन 55, कामकाजी महिला 42 एवं मजदूरी के 30 आवेदन आये जिसमें जनकल्याण अधिकारी द्वारा उनके आवदनों का शिविर में ही सत्यापन कर पात्र हितग्राहियों को खाद्य मंत्री श्री तोमर द्वारा प्रमाण पत्र दिये गए।

मौसम में दिखने लगा गर्मी का असर, फिर लौट सकती है ठंड

ग्वालियर। उत्तरी हवा की रफ्तार कम होते ही दिन और रात के तापमान में बढ़त हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। इस कारण मैदानी क्षेत्र में आने वाली बर्फीली हवा की रफ्तार धीमी हो गई है, जिससे धूप का असर हो रहा है। इस कारण दिन और रात का तापमान बढ़ गया है। मौसम विभाग का कहना है कि अभी तीन दिन तक ठिठुरन से राहत रहेगी। इसके बाद फिर से कुछ दिन के लिए तापमान गिरेगा और सर्द हवायें चल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार बर्फ से ढंके पहाड़ों से टकराकर आने वाली उत्तरी हवा की रफ्तार मंद पड़ गई है। साथ ही पश्चिमी विक्षोभ का भी असर है, जिसके चलते अगले 24 घंटे के दौरान रात का तापमान बढ़त के साथ दर्ज होगा ।

जनभावनाओं पर खरा उतरना मेरा पहला कर्तव्य : मुन्नालाल गोयल

रामनगर में 39 लाख की लागत से बनने वाली रोड डामरीकरण का विधायक ने किया भूमिपूजन

ग्वालियर (ब्यूरो)। आज वार्ड 27 के अंतर्गत रामनगर में 39 लाख की लागत से बनने वाली रोड डामरीकरण का विधिवत पूजा अर्चना कर विधायक श्री मुन्नालाल गोयल द्वारा भूमिपूजन किया गया । रोड डामरीकरण भूमिपूजन कार्यक्रम में विधायक श्री मुन्नालाल गोयल ने कार्यकर्ताओं तथा क्षेत्र के रहवासियों कों संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता ने जिस विश्वास के साथ मुझे चुना है उस विश्वास को पूरा करने के लिये क्षेत्र की प्रगति एवं विकास के लक्ष्य को लेकर में काम कर रहा हूं । श्री गोयल ने कहा कि लंबे समय से रामनगर, मीरा नगर, आर्यनगर क्षेत्र के रहवासियों द्वारा सड़क निर्माण को लेकर मांग की जा रही थी । यह सड़क जीर्ण शीर्ण तथा जगह जगह गड्ढे होने के कारण लोगों को आवागमन में असुविधा हो रही थी । यह कार्य प्रारंभ हो जाने पर जनभावनाओं का सम्मान हुआ है । यह रोड डामरीकरण पूर्ण हो जाने के बाद इन क्षेत्रों के रहवासियों को आवागमन में सुविधा होगी ।रोड डामरीकरण भूमिपूजन कार्यक्रम के इस अवसर पर प्रमुख रूप से अविनाश यादव, बंटी घुरैया, अनिल शर्मा, जे.पी. मुद्गल, बैजनाथ घुरैया, राजकुमार दुबे, योगेश अग्रवाल अकरम खान, अजय शर्मा, मोहन बाथम सहित सैंकड़ों रहवासीगण उपस्थित थे ।

राज्य स्तरीय विश्वकर्मा पुरस्कार हेतु 30 अप्रैल तक शिल्पी आवेदन करें

ग्वालियर। संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम द्वारा राज्य स्तरीय विश्वकर्मा पुरस्कार वर्ष 2020-21 के लिए सिद्धस्थ शिल्पियों से कलाकृतियां आमंत्रित किए जाने हेतु आवेदन पत्र जिला स्तर पर 30 अप्रैल तक संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम कार्यालय या जिला ग्रामोद्योग अधिकारी कार्यालय जिला पंचायत में जमा कर सकते हैं। संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम मेला परिसर ग्वालियर के प्रभारी अधिकारी ने बताया कि राज्य स्तरीय विश्वकर्मा पुरस्कार 2020-21 के लिए सिद्धस्थ शिल्पियों से कलाकृतियां आमंत्रित की गई हैं। इसके लिए आवेदन पत्र जिला स्तर पर 30 अप्रैल 2020 तक प्राप्त किए जायेंगे।

जिला चिकित्सालय मुरार की रोगी कल्याण समिति की बैठक सम्पन्न

बीजापुर चिकित्सालय की तर्ज पर चिकित्सालय को विकसित करें

ग्वालियर। जिला चिकित्सालय मुरार की रोगी कल्याण समिति की बैठक विधायक श्री मुन्नालाल गोयल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में गत बैठक में लिए गए निर्णयों के पालन-प्रतिवेदन पर चर्चा करते हुए नए कार्यों की स्वीकृति भी प्रदाय की गई। कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में बुधवार को आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री अनुराग चौधरी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा, अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य, एसडीएम मुरार श्रीमती जयति सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस के वर्मा, सिविल सर्जन डॉ. डी के शर्मा सहित विभिन्न निर्माण एजेन्सियों के अधिकारीगण आदि उपस्थित थे। बैठक में विधायक श्री गोयल ने जिला चिकित्सालय मुरार एवं जच्चाखाना में किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए एजेन्सियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। श्री गोयल ने निर्देश दिए कि जिला चिकित्सालय की दीवार एवं मुख्य द्वार पर लगने वाले जिन हाथ ठेलों को हटाया गया था वे पुनः लगने लगे हैं, उन्हें हटाने की कार्रवाई करें।

कलेक्टर श्री अनुराग चौधरी ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन को निर्देश दिए कि वे छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिला चिकित्सालय की तर्ज पर जिला चिकित्सालय मुरार को विकसित करें। इसके लिए वे बीजापुर जाकर वहां मरीजों को प्रदाय की जा रहीं स्वास्थ्य सेवाओं एवं अधोसंरचना के कार्यों का अवलोकन कर जानकारी लें। उन्होंने चिकित्सालय के महिला शौचालयों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी चिकित्सालयों में वेस्टर्न एवं इंडियन टाइप की टॉयलेट लगाई जाएं। उन्होंने कहा कि डस्टबिन एवं पेपर रोल आवश्यक रूप से रखे जाएं। कलेक्टर ने कहा कि जिस प्रकार से मॉल के शौचालयों की साफ-सफाई की व्यवस्था की जाती है उसी तरह चिकित्सालयों के शौचालयों की भी सफाई की जाएं। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय में कार्यरत सफाईकर्मी यूनीफार्म के साथ सजग रहे। बैठक में कायाकल्प की गाइडलाईन के अनुरूप मॉड्यूलर किचिन बनाने हेतु रिवाइज एस्टीमेट, ऐसा फर्नीचर जो रिपेयर उपरांत उपयोग किया जा सकता है, उसे छोड़कर शेष की नीलामी करने, मैकेनाइज्ड लाउंड्री, 40 - 40 हजार लीटर के ओवरहैड टैंक, फायर सेफ्टी संयंत्र, सिक्यूरिटी गार्ड की व्यवस्था, चिकित्सालय प्रांगण में हाईमास्क लगाने, ड्रग स्टोर को वार्ड में स्थानांतरित करने, वाहन पार्किंग को पक्का कर पानी की नकासी करने, जच्चाखाना के पीछे के सभी भवनों पर सफेदी कर महापुरूषों के चित्र बनाने, रैन बसेरे को वार्ड में शिफ्ट करने, चिकित्सालय में चाय आदि खाद्य पदार्थों को प्लास्टिक डिस्पोजल पर प्रतिबंध लगाने, स्टाफ नर्स की प्रतिनियुक्ति करने, चिकित्सालयों मे संलग्न चिकित्सकों में से कुछ चिकित्सकों को चिकित्सालय में पदस्थ करने, चिकित्सालय में सीटी स्कैन की सुविधा मरीजों को उपलब्ध कराए जाने, पुलिस चौकी की स्थापना, जच्चाखाना में अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन की व्यवस्था आदि पर चर्चा की गई।

एलएनआईपीई, इंदौर, नागपुर व चेन्नई पुलिस की टीमों का सेमीफायनल में प्रवेश

11वीं अखिल भारतीय राजमाता विजयाराजे सिंधिया फुटबॉल स्पर्धा

ग्वालियर। देव कुमार के एक गोल की बदौलत आदिवासी फुटबॉल क्लब इंदौर की टीम ने लायंस क्लब जबलपुर की टीम को हराकर 11वीं अखिल भारतीय सिंधिया फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

नगर निगम की मेजबानी में एलएनआईपी के मैदान पर खेली जा रही प्रतियोगिता में पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला एल एन आई पी ग्वालियर और डीएफए रीवा की टीमों के बीच खेला गया। इस मैच में शुरुआत से ही एल एन आई पी ग्वालियर इ के खिलाड़ियों ने रीवा की टीम पर बढ़-चढ़कर खेलना शुरू किया मैच के शुरुआती तीसरे मिनट में ही ग्वालियर के कमलेश थलाल ने गोलकर वहां भारी मात्रा में उपस्थित दर्शकों का मन जीत लिया। इसके बाद रीवा की टीम ने गोल अंतर बराबर करने के काफी प्रयास किए लेकिन एल एन आई पी ग्वालियर की टीम के सामने असफल रहे वहीं घरेलू मैदान पर खेल रहे एल एन आई पी के जर्सी नंबर 22 पहनकर खेल रहे तेजतर्रार खिलाड़ी मोहनलाल ने 22वें मिनट में गोल किया दो गोल से पिछड़ी रीवा के खिलाड़ी कुछ समझ पाते तभी कमलेश लाल को 23 मिनट में एक मौका और मिला, जिसे गोल में तब्दील किया वहीं साथी खिलाड़ी अर्जुन ने 26 में 54 एवं वी जय कुमार ने 63 में मोकल सिंह 65 मिनट महेश 70 मिनट में गोल कर डीएफए रीवा को 8-0 से रौंदकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

दिन का दूसरा मुकाबला आदिवासी फुटबॉल क्लब इंदौर एवं लायंस क्लब जबलपुर की टीमों के बीच खेला गया। जिसमें इंदौर के जर्सी नंबर 13 पहनकर खेल रहे देव कुमार ने 68 वें मिनट में गोल कर विपक्षी टीम लायंस क्लब जबलपुर को हराकर प्रतियोगिता से बाहर किया । दिन का तीसरा मुकाबला रब्बानी फुटबॉल क्लब कामठी नागपुर एवं मदन महाराज भोपाल की टीमों के बीच खेला गया जिसमें रब्बानी फुटबॉल क्लब नागपुर ने मदन महाराज को 5-1 हराकर आगे की राह पकड़ी। वहीं दिन का अंतिम क्वार्टर फाइनल मुकाबला शिवानंद फुटबॉल क्लब हरियाणा एवं चेन्नई पुलिस की टीमों के बीच खेला गया।

उपायुक्त स्वास्थ्य श्री चैहान ने किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

ग्वालियर। शहर में साफ सफाई व्यवस्था के लिए निगम अधिकारियों द्वारा नियमित रुप से भ्रमण किया जा रहा है। जिसके तहत आज दिनांक 12.02.2020 को सुबह 8 बजे उपायुक्त श्री सत्यपाल सिंह चैहान द्वारा मुख्यमंत्री जी के नगर आगमन को दृष्टिगत रखते हुए महाराजपुरा एयरपोर्ट रोड से सिटी सेंटर तक मेन रोड का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान उपायुक्त स्वास्थ्य श्री चैहान द्वारा दीनदयाल नगर गेट पर स्थित सुलभ शौचालय में गन्दगी पाये जाने पर सम्बंधित को फटकार लगाते हुए सफाई के निर्देश दिये गये। वहीं डब्लूएचओ वार्ड 18 की माँग पर निगम कार्यशाला से 10 हाथठेले उपलब्ध करवाये गये। इसके साथ ही पिन्को पार्क चैराहे से सूर्य मन्दिर रोड पर अत्यधिक गन्दगी पाये जाने एवं कल के निरीक्षण मे दिये गये निर्देशों का पालन ना करने पर डब्लूएचओ श्री मुकेश चंदेल को कारण बताओ नोटिस जारी किये जाने के निर्देश दिए गये।

कौशल विकास से करें चुनौतियों का सामना-डॉ. मृदुला बिल्लौरे

कृषि महाविद्यालय में व्यवहारिक कौशल विकास पर कार्यशाला

ग्वालियर। जब परिवर्तन होता है तो नई चुनौतियां सामने आती हैं। इन चुनौतियों का सामना तभी कर सकते हैं जब आपमें तकनीकी कौशलों के साथ व्यवहारिक कौशलों का विकास हो, इसलिए जरुरी है कि आप सब विभिन्न प्रकार की व्यवहारिक दक्षताओं का विकास स्वयं में करें।

कृषि महाविद्यालय में उद्यमिता के लिए व्यवहारिक कौशल विकास पर जागरुकता कार्यशाला में यह बात अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. मृदुला बिल्लौरे ने कही। उन्होंने कहा कि परिवर्तन तेजी से हो रहे हैं उनका सामना कैसे करें यह जानकारी इस कार्यशाला में बतायी जा रही है।

अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. जे. पी. दीक्षित ने कहा कि नेशनल एग्रीकल्चरल हायर एजुकेशन प्रोजेक्ट के अंतर्गत इस कार्यशाला से विद्यार्थियों में उद्यमिता के लिए आवश्यक गुणों का विकास होगा। कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में ईडीआईआई भोपाल के डॉ. हनीफ मोहम्मद मेवाती , डॉ. प्रसन्नजीत आदि विशेषज्ञों ने प्रजेन्टेशन के माध्यम से छात्र छात्राओं को प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर संचालन डॉ. डी. के. पालीवाल ने किया एवं आभार डॉ. अखिलेश सिंह ने जताया।

पौधों में मौजूद औषधीय तत्वों के विश्लेषण में फायदेमंद है एलसीएमएस- डॉ.वर्षा शर्मा

ग्वालियर। पौधों में कौन- कौन से औषधीय तत्व मौजूद हैं और कितनी मात्रा में उपस्थित हैं, इसका विश्लेषण लिक्विड क्रोमेटोग्राफी मॉस स्पेक्ट्रोमीटरी(एलसीएमएस) के जरिए आसानी से किया जा सकता है। इसी तरह से मार्केट में मिलने वाले हर तरह के फूड आइटम की गुणवत्ता की जांच में भी एलसीएमस काफी फायदेमंद है। यह मशीन किसी तत्व के क्वालिटेटिव और क्वांटिटेव गुणों का विश्लेषण आसानी से कर सकती है।

यह बात एक्सपर्ट डॉ.वर्षा शर्मा ने कही। वह जीवाजी यूनिवर्सिटी के सीआईएफ में चल रहे ट्रेनिंग प्रोग्राम में लिक्विड क्रोमेटोग्राफी मॉस स्पेक्ट्रोमीटरी मशीन की जानकारी दे रही थीं। लगभगएक महीने तक चलने वाले इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में अलग- अलग मशीनों की जानकारी एक्सपर्ट्स द्वारादी जाएगी। सीआईएफ में चल रहे प्रोग्राम में जेयू के साइंस डिपार्टमेंट के स्टूडेंट्स के अलावा संबद्धित कॉलेजों के साइंस के छात्रों को भी ट्रेनिंग दी जा रही है। इस अवसर पर साईंटिफि ऑफिसर डॉ. साधना श्रीवास्तव, सोनिया दंडोतिया सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दिव्यांगजनों को उन्हें प्राप्त अधिकारों से अवगत कराएं - विधायक गोयल

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के तहत संभाग स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

ग्वालियर। विधायक श्री मुन्नालाल गोयल ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 की कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने दिव्यांगों के कल्याण एवं भलाई के लिए अनेकों योजनायी संचालित की हैं। आवश्यकता इस बात की है कि दिव्यांग अधिकार अधिनियम के तहत उन्हें जो अधिकार दिए गए हैं उनकी जानकारी प्रदाय कर उन्हें लाभ दिलायें।

श्री मुन्नालाल गोयल ने उक्त आशय के विचार दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के तहत ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अधिकारियों, स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारियों की बुधवार को आयोजित संभाग स्तरीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। तानसेन रेसीडेंसी ग्वालियर में आयोजित कार्यशाला में ग्वालियर संभाग आयुक्त श्री एम बी ओझा, निःशक्तजन आयुक्त श्री संदीप रजक, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण संचालक श्री के जी तिवारी, कलेक्टर श्री अनुराग चौधरी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा, जिला पंचायत मुरैना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तरूण भटनागर, सीआरसी भोपाल के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. गणेश अरूण, विशेष मल्टीपल स्कॉलरसिस नईदिल्ली से श्रीमती रेनुका मालाकार, मेडीकल कॉलेज छिंदवाड़ा के डॉ. संदीप ढोले, डिप्टी कलेक्टर एवं अधीक्षक, शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्वालियर संभाग के डॉ. संजीव खेमरिया, संयुक्त आयुक्त श्री राजकुमार शर्मा सहित ग्वालियर एवं चंबल संभाग के सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी, अशासकीय संगठनों के प्रतिनिधिगण आदि उपस्थित थे। श्री मुन्नालाल गोयल ने कार्यशाला का दीप प्रज्वलित कर एवं महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर शुभारंभ करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने दिव्यांगजन अपने अधिकारों से वंचित न रहें और शासन की योजनाओं का उन्हें पूर्ण रूप से लाभ मिले, इसके लिए दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों एवं समाज के कमजोर तबके के लोगों के लिए शासन द्वारा जो योजनायें संचालित की जा रही हैं, उनका लाभ उन तक पहुँचे, यह हम सबकी नैतिक एवं सामाजिक जवाबदारी है। श्री गोयल ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की राशि 28 हजार से बढ़ाकर 51 हजार कर दी है। वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत भी राशि बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को उनके कल्याण एवं भलाई के लिये संचालित योजनाओं की जानकारी देने हेतु जनजागरण अभियान की आवश्यकता है। ग्वालियर संभाग आयुक्त श्री एम बी ओझा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यशाला का आयोजन करने का मुख्य मकसद दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए कार्य करने वाली गैर शासकीय संस्थाओं को दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 की विस्तार से जानकारी प्रदाय कर दिव्यांगजनों को लाभ दिलाना है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कालोनी भिण्ड रोड गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/MPHIN31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-भरत सिंह चौहान। E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333- मोबा.8269307478,